प्रेस विज्ञप्ति

21 फरवरी, 2016

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी ने निम्नलिखित बयान जारी किया :–

हरियाणा प्रांत में ऐसा जातीय विभाजन एवं उन्माद, खूनी संघर्ष और जहरीला वातावरण, पीढ़ियों ने नहीं देखा। हरियाणा में कण कण में आग लगी है। वीरों की धरती हरियाणा को हिंसा ने शर्मसार कर दिया है। मैं सभी से हाथ जोड़कर आग्रह करता हूं कि यह ढ़ाई करोड़ हरियाणवियों के लिए परीक्षा का समय है। हम सब पहले इंसान हैं, फिर भारतीय हैं, फिर हरियाणवी हैं, और जाति बहुत बाद में गिनी जाती है।

मेरा आग्रह है कि अपने स्वार्थों की राजनीति छोड़कर हम सब इंसानियत का परिचय दें। यदि नफरत की आग में सब जल गया, तो हम भी कहां बच पाएंगे। अपना घर जलाकर हम समाज और वातावरण में रोशनी कैसे कर पाएंगे। इसलिए हरियाणा के सभी व्यक्तियों, ढ़ाई करोड़ हरियाणवियों समेत उन आंदोलनकारियों के, जो हिंसा का रास्ता अख्तियार किए हुए हैं, और पथभ्रमित हो गए हैं, लोगों की जान–माल, संपत्ति, उसको व्यापक नुकसान हुआ है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से हम हिंसा का रास्ता त्यागकर अमन चैन, भाईचारा बनाने की हरियाणा के ढ़ाई करोड़ लोगों को अपील करते हैं। ये भी मांग करते हैं कि ये सारा आंदोलन फौरी तौर से वापस ले लिया जाए। इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं। लोकतंत्र की सबसे खूबसूरत बात ही ये है कि विवादित से विवादित मुद्दे को, आपसी बातचीत से, उसका हल निकाला जा सकता है।

भारतीय जनता पार्टी की सरकार, वो चाहे केंद्र में हो और चाहे वो प्रांत में हो, एक तरफ जहां वो पूरे प्रांत को, पूरे देश को, धर्म और क्षेत्रवाद के आधार पर बांटने में लगी है, दुर्भाग्य से देवभूमि हरियाणा को जाति के आधार पर बांटा जा रहा है। पिछले पंद्रह महीने में लगातार जो वातावरण बनाया गया भाजपा के सांसदों, विधायकों और मंत्रियों की अनर्गल और प्रोवोकेटिव बयानबाजी के द्वारा, पिछले छः से आठ महीनों में कई बार सारे पक्षों को प्रधानमंत्री जी ने बुलाया, मुख्यमंत्री जी ने बुलाया, पर मामले का हल निकालने की कभी गंभीर कोशिश नहीं की गई। उल्टा उत्तेजक और अनर्गल बयानबाजी से ऐसे उत्तेजक हालात हरियाणा में भाजपा सरकार ने पैदा कर दिए कि उनको काबू करने में सरकार नाकाम और निकम्मी साबित हुई है। हम केंद्र और भारतीय जनता पार्टी की हरियाणा की सरकार को आगाह करते हैं कि फूट डालो और शासन करो की राजनीति से बाज आएं।

हिंसा के कारण आज हरियाणा की माटी रो रही है। हरियाणा का कण–कण रो रहा है। पूरे हरियाणा में अलग अलग गांव, प्रांत आज हिंसा की भेंट चढ़ गए हैं। **ऐसे में शासन की अपनी जिम्मेवारी को निभाएं, राजधर्म को निभाएं, बंटवारे की राजनीति बंद करें, फूट डालो और शासन करो की राजनीति बंद करें, हिंसा पर फौरी तरह से रोक लगाएं, हिंसक तत्वों को कड़ी से कड़ी, कठोर से कठोर सजा दें, और सभी पक्षों से सौहार्दपूर्ण और शांतिप्रिय**

तरीके से बात कर पूरे मामले का पटाक्षेप करें। हम हरियाणा प्रांत के लोगों से भी एक बार फिर अपील करते हैं कि आपसी भाईचारे और शांति से बड़ी इस प्रांत की पहचान कोई और नहीं रही और इस देवभूमि हरियाणा के उस आपसी भाईचारे, छत्तीस बिरादरी के गठजोड़ को कभी भी न टूटने दें।